पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट–2018 में 'डिफेन्स एण्ड एअरोस्पेस : इन्वेस्टमेंट अपॉरच्युनिटीज़ इन उत्तर प्रदेश' सत्र को सम्बोधित किया

उ0प्र0 में डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और एअरोस्पेस में व्यापक सम्भावनाएं : मुख्यमंत्री

प्रदेश में लैण्डबैंक सहित डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए आवश्यक सुविधाएं यहां पहले से मौजूद

राज्य सरकार शीघ्र ही इस क्षेत्र हेतु नीति निर्धारित करेगी

यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट एक अद्भुत प्रयास : केन्द्रीय रक्षा मंत्री

यू0पी0 डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर से प्रदेश में पहले से मौजूद रक्षा उद्योग को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी

सशस्त्र सेनाओं के दल डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के शहरों में जाकर एम0एस0एम0ई0 इकाइयों के साथ संवाद स्थापित करेंगे

'पॉलिसी डॉक्युमेण्ट ऑन यूटिलाइजेशन ऑफ थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन सर्विसेज़' पुस्तिका का विमोचन

लखनऊ : 22 फरवरी, 2018

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और एअरोस्पेस में व्यापक सम्भावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह में बुन्देलखण्ड में बनने वाले यू0पी0 डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर की घोषणा की है। इससे प्रदेश में इस सेक्टर के विकास के अवसर प्रबल हो गए हैं। लैण्डबैंक सहित डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए आवश्यक सुविधाएं यहां पहले से मौजूद हैं। शीघ्र ही राज्य सरकार इस क्षेत्र के लिए नीति निर्धारित करेगी।

मुख्यमंत्री जी आज यहां यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट–2018 के 'डिफेन्स एण्ड एअरोस्पेस : इन्वेस्टमेंट अपॉरच्युनिटीज़ इन उत्तर प्रदेश' सत्र में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मण्डल मुख्यालयों के बीच में रीजनल एअर कनेक्टिविटी का कार्य अंतिम चरण में है। जेवर में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। कुशीनगर के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का कार्य लगभग पूरा हो गया है। आगरा, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर में पहले से हवाई अड्डे संचालित हैं। साथ ही, प्रदेश में

एम0एस0एम0ई0 का भी विशाल क्षेत्र है, जो डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और एअरोस्पेस सेक्टर के औद्योगिक विकास में उपयोगी भूमिका निभा सकता है।

योगी जी ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास हेतु सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश की आबादी विशाल है। प्रदेश में रेलवे, सड़क मार्ग तथा हवाई मार्ग की उत्कृष्ट कनेक्टिविटी है। उत्तर प्रदेश स्वर्णिम चतुर्भुज से आच्छादित है। साथ ही, ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर प्रदेश के दादरी में मिल रहे हैं। ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस में भी उत्तर प्रदेश में सकारात्मक बदलाव हुआ है। प्रदेश सरकार ने सिंगल विण्डो सिस्टम को डिजिटल क्लियरेंस के रूप में लागू किया है। इसके तहत निवेश पोर्टल के माध्यम से एक साथ 20 विभागों की 70 सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार ने लैण्डबैंक बनाने तथा आवंटन हेतु जी0आई0एस0 आधारित एक पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था बनायी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए जो ईको सिस्टम है, वह निवेशकों को डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और एअरोस्पेस सहित सभी क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा।

योगी जी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट' के अंतर्गत विभिन्न जनपदों के पारम्परिक उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत जनपदों के ख्याति प्राप्त उत्पादों की डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग आदि को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश को यू0पी0 डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर दिलाने में केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन के योगदान का जिक्र करते हुए उनके प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही, यू0पी0 इन्वेस्टर्स मीट में प्रधानमंत्री जी और केन्द्रीय मंत्रिगण द्वारा रुचि लेने पर धन्यवाद देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां अवश्य ही प्राप्त करेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री जी और केन्द्रीय मंत्री ने पुस्तिका 'पॉलिसी डॉक्युमेण्ट ऑन यूटिलाइजेशन ऑफ थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन सर्विसेज़' का विमोचन किया। इस अवसर पर लघु फिल्म 'द यू0पी0 डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर–विकास की साझेदारी सुरक्षा की जिम्मेदारी' भी प्रस्तुत की गई। मुख्यमंत्री जी ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया।

सत्र को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट पूरी तरह से एक अद्भुत प्रयास है। प्रदेश में डिफेंस क्षेत्र में 13 पी0एस0यू0 पहले से कार्यरत हैं। यहां डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बेस मौजूद है, लेकिन यह प्रायः निर्जीव है। यू0पी0 डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर से बुन्देलखण्ड क्षेत्र को सर्वाधिक फायदा होगा। साथ ही, प्रदेश में पहले से मौजूद रक्षा उद्योग को पुनर्जीवित करने में मदद भी मिलेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही सशस्त्र सेनाओं के दल डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के शहरों आगरा, अलीगढ़, कानपुर, झांसी, चित्रकूट, इलाहाबाद आदि में जाकर एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र की इकाइयों के साथ अपनी रक्षा आयुध सम्बन्धी आवश्यकताओं के बारे में संवाद स्थापित करेगा। साथ ही, अपनी तकनीकी आवश्यकताओं से परिचित भी कराएगा। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर के क्षेत्र में टियर–1 उद्योगों के साथ एम0एस0एम0ई0 को भी जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, एग्रीगेटर उद्यमों की भी स्थापना की जाएगी। कॉरिडोर के इर्द–गिर्द रक्षा उद्योगों की सफल स्थापना के लिए कॉमन फैसिलिटी भी क्रिएट की जाएगी।

प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री श्री सतीश महाना ने प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में निवेश के लिए उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों और उद्यमियों के सुझावों पर विचार करने तथा उनकी समस्याओं और शंकाओं के समाधान के लिए हमेशा उपलब्ध है।

सत्र को केन्द्रीय रक्षा उत्पादन सचिव श्री अजय कुमार, प्रदेश के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री अनूप चन्द्र पाण्डेय, सोसाइटी ऑफ इण्डियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स के डी0जी0 सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज के सी0एम0डी0 श्री सचिन अग्रवाल तथा सैम्टल ग्रुप के चेयरमैन श्री सतीश कौरा ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी सहित जनप्रतिनिधिगण, शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं निवेशक मौजूद थे।

————————————

रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 22 फरवरी, 2018 को लखनऊ में 'इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 'डिफेन्स एण्ड एअरोस्पेस : इन्वेस्टमेण्ट अपॉरच्युनिटीज़ इन उत्तर प्रदेश' सत्र में 'पॉलिसी डॉक्युमेण्ट ऑन यूटिलाइजेशन ऑफ थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन सर्विसेज़' पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन जी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 22 फरवरी, 2018 को लखनऊ में आयोजित 'यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट–2018' में स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए।